11-05-2022

चीनी उद्योगों में हो रहे विस्तार से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए

कानपुर (नगर छाया समाचार)। भारत के चीनी एवं सम्बद्ध उद्योगों में हो रहे विस्तार एवं आधुनिकीकरण के कारण रोजगार के नये अवसर उत्पन्न हुये हैं। देश में भारत सरकार की प्रोत्साहन नीतियों के कारण नई एथेनॉल इकाइयों की स्थापना में जहाँ तेजी आई है, वहीं स्थापित एथेनॉल इकाइयों की क्षमता में भी विस्तार किया जा रहा है ताकि वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत की ब्लेन्डिंग के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। नई एथेनॉल इकाइयों की स्थापना में लगभग रु. 41,000 करोड़ का निवेश आगामी कुछ वर्षों में सम्भावित है।

इसी प्रकार गन्ने के रस अथवा सीरप से एथेनॉल बनाने की प्रक्रिया अपनाने जाने के कारण चीनी मिलों द्वारा अपनी पेराई क्षमता में विस्तारीकरण किया जा रहा है। चीनी उद्योग में एक मूलभूत परिवर्तन चीनी की गुणवत्ता को लेकर भी है। जहां पर पारंपरिक सल्फीटेशन प्रक्रिया से बनी सफेद चीनी के स्थान पर रॉ एवं रिफाइन्ड शुगर का उत्पादन बाजार की मांग के अनुसार करने हेतु प्रक्रिया में परिवर्तन किया जा रहा है।

इसके साथ ही चीनी मिलें एवं डिस्टिलरीज़ प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण के प्रति अधिक संजीदा एवं सजग हैं एवं उनके द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थानके मार्गदर्शन में अपनी जल शोधन इकाइयों का आधुनिकीकरण करने के साथ ही पर्यावरण-सेल की स्थापना की जा रही है।

अतः यह सब राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के छात्रों के लिए रोजगार के अवसर लेकर आये हैं। संस्थान के प्रोफेसर शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्लेसमेन्ट ऑफिसर श्री डी. स्वेन ने बताया कि कैंपस प्लेसमेन्ट हेतु साक्षात्कार जो माह अगस्त से आयोजित किये जाते थे उनको अभी से करने का दवाब उद्योग का है। देश की कई कंपनियों, शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इन्जीनियरिंग, एल्कोहॉल टेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, इन्डस्ट्रियल इन्सट्रुमेन्टेशन एवं अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों के साक्षात्कार करने हेतु संस्थान से सम्पर्क में हैं। इसके देखते हुएसंस्थान के निदेशक श्री नरेन्द्र मोहन ने बताया कि हम मेसर्स वेव इंडस्ट्रीज द्वारा 24 मई 2022 से पर्यावरण विज्ञान एवं इन्डस्ट्रियल इन्सट्रुमेन्टेशन के छात्रों हेतु प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन कर रहे हैं।

कानपुर
11 मई, 2022
5

सरकार की नीतियों से एथेनॉल इकाइयों की स्थापना में तेजी, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 10 मई। देश में भारत सरकार की प्रोत्साहन नीतियों के कारण नई एथेनॉल इकाइयों की स्थापना में तेजी आई है तो वही एथेनॉल इकाइयों की क्षमता में भी विस्तार किया जा रहा है, ताकि वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत की ब्लेडिंग के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। नई एथेनॉल इकाइयों की स्थापना में 41,000 करोड़ का निवेश जल्द होगा। एनएसआई कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इसी प्रकार गन्ने के रस अथवा सीरप से एथेनाल की प्रक्रिया अपनाये जाने के कारण चीनी मिलो द्वारा अपनी पेराई क्षमता में विस्तारीकरण किया जा रहा है। चीनी उद्योग में एक मूलभूत चीनी की गुणवत्ता को लेकर भी है। 24 मई को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होगा, जिससे एनएसआई के छालों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। प्लेसमेंट प्रभारी डी. स्वेन ने बताया कि देश की कई कंपनियों में शुगर टेक्नोलाजी, शुगर इंजीनियरिंग, एल्कोहल टेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, इण्डस्ट्रियल इन्सटुमेंटेशन एवं अन्य पाठ्यक्रमों के छालों के साक्षात्कार करने के लिए संस्थान सो संपर्क में है।